आदर्श प्रश्न-पत्र

विषय:हिन्दी (ऐच्छिक)(Regular)

कक्षा: 10+2 (Session : 2020-21)

समय: 3 घंटे **पूर्णांक : 85**

परीक्षार्थी यथासंभव अपने शब्दों मे ही उत्तर दें।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिए गए हैं।

विशेष निर्देश:

(i) अपनी उत्तर-पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ के ऊपर बाँई ओर दिए गए वृत में प्रश्न पत्र सीरीज़ अवश्य लिखिए।

(ii) प्रश्नों के उत्तर देते समय जो प्रश्न संख्या प्रश्न-पत्र पर दर्शाई गई है। उत्तर-पुस्तिका पर वही प्रश्न-संख्या लिखना अनिवार्य है।

(iii) उतर-पुस्तिका के बीच में खाली पन्ना/पन्ने न छोड़िए।

(iv) कोविड-19 महामारी को ध्यानार्थ रखते हुए सत्र 2020-21 के लिए 30% अतिरिक्त वैकल्पिक प्रश्न जोड़े गए हैं।

(v) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें:-

महात्मा गांधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे। वे प्रत्येक आश्रम वासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से संबंधित प्रत्येक कार्य, सफाई तक स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता है, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है। ऋषि-मुनियों ने कहा है बिना श्रम किए जो भोजन करता है वह वस्तुत: चोर है। महात्मा गाँधी का समस्त जीवन-दर्शन श्रम-सापेक्ष था। उनका समस्त अर्थशास्त्र यही बताता था कि प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पादन कर्त्ता होना चाहिए। उनकी नीतियों की उपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं। न

गरीबी कम होने में आती है, न बेरोज़गारी पर नियंत्रण हो पा रहा है और न अपराधों की वृद्धि हमारे वश की बात हो रही है। दक्षिण कोरिया वासियों ने श्रमदान करके ऐसे श्रेष्ठ भवनों का निर्माण किया है, जिनसे किसी को भी ईर्ष्या हो सकती है।

(i) ऋषिमुनियों ने किसे चोर कहा है? 1

(क) सामान चुराने वाला (ख) बिना श्रम मोज करने वाला

(ग) बिना श्रम भोजन करने वाला (घ) पाप का अन्न खाने वाला

(ii) गांधी जी पापी किसे मानते थे? 1

(क) हिंसक को (ख) श्रमिक को

(ग) बेरोजगार को (घ) श्रम करने वाले को

(iii) आशय स्पष्ट करें- 1

गांधी का सारा जीवन श्रम सापेक्ष था।

(क) महात्मा गांधी श्रम को महत्व देते थे।

(ख) गांधी जी के सभी विचार श्रम पर आधारित थे

(ग) गाँधी जी श्रम की बजाए दर्शन को महत्व देते थे।

(घ) वे विचार की अपेक्षा श्रम को महत्व पूर्ण मानते थे

(iv) महात्मा गांधी ने किस बात पर बल दिया है?

(क) श्रम पर (ख) पाप पर

(ग) चोरी पर (घ) आलस्य पर

(v) उचित शीर्षक दीजिए- 1

(क) श्रम की आवश्यकता

(ख) श्रमहीनता के दुष्परिणाम

(ग) महात्मा गांधी के श्रम संबंधी विचार

(घ) श्रम-जीवन का आधार।

(vi) किस देश के वासियों ने श्रमदान करके श्रेष्ठ भवनों का निर्माण किया है। 1.5

(vii) आज किस बात पर नियंत्रण नहीं हो पा रहा है? 1.5

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर अंत में दिए गए प्रश्नों के उत्तर दे:-

अरे, तुम क्यों इतने हुए अधीर?
हार बैठे जीवन का दाँव
जीतते जिसको मरकर वीर
तप नहीं केवल जीवन सत्य
करुण यह क्षणिक ही अवसाद
तरल आकांक्षा से है भरा
सो रहा आशा का आह्लाद।

(1) कवि के अनुसार वीर पुरुष क्या हार बैठा है? 1

(क) हिम्मत (ख) स्वाभिमान

(ग) जीवन का दांव (घ) धन

(2) वीर पुरुष जीवन दांव कैसे जीत सकता है? 1

(क) जान दांव पर लगाकर (ख) आक्रमण करके

(ग) भीख मांग कर (घ) विनम्र प्रार्थना से

(3) वीर पुरुष के मन की दशा कैसी है? 1

(क) प्रसन्न है (ख) दुख कातर

(ग) अवसाद ग्रस्त (घ) पश्चाताप ग्रस्त

(4) वीर पुरुष के जीवन में क्या सो रहा है? 1

(क) निराशा (ख) आशा

(ग) विश्वास (घ) पश्चाताप

(5) ऊपर दिए गए पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक दीजिए? 1

(क) धैर्य (ख) वीरों का आचरण

(ग) नर हो न निराश करो मन को (घ) निराशा मृत्यु है

(6) जीवन का दांव वीर पुरुष कैसे जीतते हैं? 1.5

(7) वीर के जीवन में क्या चीज़ सो रही है? 1.5

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखें:-

(क) कंप्यूटर: आज के युग की आवश्यकता

(ख) विद्यार्थी और अनुशासन

(ग) बेरोज़गारी की समस्या

(ध) परहित सरिस धर्म नहि भाई (परोपकार)

(ङ) हिमाचल प्रदेश के पर्यटक स्थल

(च) प्रदूषण की समस्या 5

4. अपने प्रधानाचार्य को छात्रवृत्ति के लिए आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

अपने छोटे भाई को पत्र लिखिए जिसमें कोविड-19/करोना महामारी से बचने के सुझाव दिए गए हो।

अथवा

मित्र के पिताजी के निधन पर संवेदना पत्र लिखिए। 5

5. जनसंचार के विभिन्न माध्यमों में प्रिंट माध्यम का क्या महत्त्व है? स्पष्ट करें?

अथवा

रेडियो और टी.वी. के समाचारों में क्या अन्तर है?

अथवा

इंटरनेट पत्रकारिता के स्वरूप और इतिहास पर प्रकाश डालिए। 4

6. फ़ीचर लेखन में किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए?

अथवा

समाचार लेखन कैसे किया जाता है?

अथवा

पत्रकारीय लेखन से क्या अभिप्राय है? छः ककार क्या है? 4

7. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए:-

जब हम सत्य को पुकारते है
तो वह हमसे परे हटता जाता है
जैसे गुहारते हुए युधिष्ठिर के सामने से
भागे थे विदुर और भी घने जंगलों में
सत्य शायद जानना चाहता है
कि उसके पीछे हम कितनी दूर तक भटक सकते हैं

अथवा

फागुन पवन झँकोरै बहा। चौगुन सीउ जाइ किमि सहा॥
तन जस पियर पात भा मेरा। बिरह न रहै पवन होइ झोरा॥
तरिवर झरै झरै बन ढाँखा। भइ अनपत फूल फर साखा॥
करिन्ह बनाफति कीन्ह हुलासू। मो कहँ भा जग दून उदासू॥

अथवा

और यह कैलेंडर से मालूम था
अमुक दिन अमुक बार मदन महीने की होवेगी पंचमी
दफ़्तर में छुट्टी थी यह था प्रमाण
और कविताएं पढ़ते रहने से यह पता था
कि दहर-दहर दहकेगें कहीं ढाक के जंगल 3

8. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें- 3

(क) 'जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा'-पंकित का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) हाथ फैलाने वाले व्यक्ति को लाचार, कामचोर, धोखेबाज़ क्यों कहा है?

(ग) बसंत आगमन की सूचना कवि को कैसे मिली?

(ध) भरत का आत्म परिताप उनके चरित्र के किस उज्ज्वल पक्ष की ओर संकेत करता है?

(ङ) माघ महीने में विरहिणी को क्या अनुभूति होती है?

(च) नायिका के प्राण तृप्त न हो पाने का कारण अपने शब्दों में लिखिए। 3×2=6

9. निम्नलिखित पंक्तियों का काव्य सौंदर्य स्पष्ट करें।

मिट्टी में रस होगा ही जब वह पोसेगी बीज को
हम इसको क्या कर डालें इस अपने मन की खीज़ को
गोड़ो गोड़ो गोड़ो

अथवा

लौटा लो यह अपनी थाती
मेरी करुणा हा-हा खाती
विश्व! न संभलेगी यह मुझसे
इससे मन की लाज गँवाई।

अथवा

जन्म अवधि हम रूप निहारल नयन न तिरपित भेल॥
सेहो मधुर बोल स्रवनहि सूनल श्रुति पथ परस न गेल॥ 4

10. निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए-

(क) जय शंकर प्रसाद

(ख) रघुवीर सहाय

(ग) तुलसीदास

(घ) विद्यापति 5

11. निम्नलिखित में से किन्ही दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

एक दिन कई लोग बैठे बातचीत कर रहे थे कि इतने में एक पंडित जी आ गए।

चौधरी साहब ने पूछा। 'कहिए क्या हाल है?' पंडित जी बोले –''कुछ नहीं, आज एकादशी थी, कुछ जल खाया है और चले आ रहे हैं। 'प्रश्न हुआ' जल ही खाया है कि कुछ फलाहार भी पिया है?

अथवा

बालक के मुख पर विलक्षण रंगों का परिवर्तन हो रहा था, हृदय में कृत्रिम और स्वाभाविक भावों की लड़ाई की झलक आँखो में दिख रही थी। कुछ खाँसकर गला साफ़ कर नकली परदे के हट जाने पर स्वयं विस्मित होकर बालक ने धीरे से कहा, 'लड्डू'। पिता और अध्यापक निराश हो गए। इतने समय तक मेरा श्वास घुट रहा था। अब मैंने सुख से साँस भरी। उन सबने बालक की प्रवृत्तियों का गला घोंटने में कुछ उठा नहीं रखा था। पर बालक बच गया।

अथवा

आज दिन वह मूर्ति प्रयाग संग्रहालय में प्रदर्शित है। जब यह संग्रहालय नगर पालिका के दफ़्तर के एक विशाल अंग में था। एक फ्रांसीसी उसे देखने आया। मैंने बड़े उत्साह से उसे संपूर्ण संग्रहालय दिखलाया। बाद में पता चला कि वह फ्रांस का एक बड़ा डीलर है जो हिंदुस्तान तथा अन्य जगहों से चीजें खरीदता फिरता है। मैं पहिले कैसे समझ पाता।

अथवा

लड़की ने आज गुलाबी परिधान नहीं पहना था पर सफ़ेद साड़ी में लाज से गुलाबी होते हुए उसने मंसा देवी पर एक चुनरी चढ़ाने का संकल्प लेते हुए सोचा,'मनोकामना की गाँठ' भी अद्भुत अनूठी है। इधर बांधों उधर लग जाती है....''

''पारो बुआ, पारो बुआ इनका नाम है....' मन्नू ने बुआ का आँचल खींचते हुए कहा।

''संभव देवदास'' संभव ने हँसते हुए वाक्य पूरा किया। उसे भी मनोकामना का पीला लाल धागा और उसमें पड़ी गिठान का मधुर स्मरण हो आया। 2×4=8

12. निम्नलिखित में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए:-

(क) लेखक का हिंदी साहित्य के प्रति झुकाव किस तरह बढ़ता गया?

(ख) बालक ने क्यों कहा कि मै यावज्जन्म लोकसेवा करुँगा?

(ग) पसोवा की प्रसिद्धि का क्या कारण था और लेखक वहाँ क्यों जाना चाहता था?

(घ) अमझर से आप क्या समझते हैं? अमझर गाँव में सूनापन क्यों है?

(ङ) उस छोटी सी मुलाकात ने संभव के मन में क्या हलचल उत्पन्न कर दी, इसका सूक्ष्म विवेचन कीजिए।

(च) 'कुटज' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि' दु:ख और सुख तो मन के विकल्प हैं। $3 \times 1\frac{1}{2} = 4\frac{1}{2}$

13. किसी एक गद्यकार का साहित्यिक परिचय दीजिए:-

(क) पंडित चन्द्रधर शर्मा गुलेरी

(ख) निर्मल वर्मा

(ग) ममता कालिया $4\frac{1}{2}$

14. (क) 'यह फूस की राख न थी, उसकी अभिलाषाओं की राख थी।' संदर्भ सहित विवेचन कीजिए।

(ख) बूढ़े तिरलोक सिंह को पहाड़ पर चढ़ना जैसी नौकरी की बात सुनकर अजीब क्यो लगा?

(ग) पहाड़ों की चढ़ाई में भूप दादा का कोई जवाब नहीं। उनके चरित्र की विशेषताएँ बताइए।

(घ) अब मालवा में वैसा पानी नहीं गिरता जैसा गिरा करता था। उसके क्या कारण हैं? $2 \times 4 = 8$

15. (क) भैरों ने सूरदास की झोंपड़ी क्यों जलाई?

अथवा

शैला और भूप ने मिल कर किस तरह पहाड़ पर अपनी मेहनत से नई जिंदगी की कहानी लिखी?

अथवा

सूरदास जगधर से अपनी आर्थिक हानि को गुप्त क्यों रखना चाहता था?

(ख) रूप सिंह पहाड़ चढ़ना सीखने के बावजूद भूप सिंह के सामने बौना क्यों पड़ गया था।

अथवा

हमारे आज के इंजीनियर ऐसा क्यों समझते हैं कि वे पानी का प्रबंध जानते हैं और पहले जमाने के लोग कुछ नहीं जानते थे?

अथवा

लेखक को क्यों लगता है कि 'हम जिसे विकास की औद्योगिक सभ्यता कहते है वह उजाड की अपसभ्यता है आप क्या मानते हैं? 2×4=8